भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

19.03.2021 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2832 का उत्तर

सरायगढ़ तक ब्रॉड गेज लाइन का निर्माण

2832. श्री राम नाथ ठाकुरः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सकरी-झंझारपुर-निर्मली होते हुए सरायग्रह तक ब्रॉड गेज लाइन का निर्माण कार्य वर्ष 2004 में शुरू हुआ था;

(ख) इसकी धीमी गति के क्या कारण हैं;

(ग) उक्त रेलवे लाइन, जो लगभग सोलह वर्षों से निर्माणाधीन है, के पूर्ण न होने के क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार जनता की बेबसी का संज्ञान ले रही है, यदि हां, तो ब्रॉड गेज लाइन का उक्त कार्य कब तक पूरा कर लिया जाएगा?

उत्तर

रेल, वाणिज्य एवं उद्योग और
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

Sk

सरायगढ़ तक ब्रॉड गेज लाइन का निर्माण के संबंध में दिनांक 19.03.2021 को राज्य सभा में श्री राम नाथ ठाकुर के अतारांकित प्रश्न सं. 2832 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित **विवरण।**

(क) से (घ): सकरी-झंझारपुर-निरमली-सरायगढ़ रेल लाइन खंड के निर्माण में 02 रेल परियोजनाएं अर्थात् (i) 2002-03 में स्वीकृत निरमली-सरायगढ़ नई लाइन (22 किमी) सहित कोसी पुल परियोजना और (ii) 2004-05 में स्वीकृत सकरी-निरमली एवं सहरसा-फारबिसगंज (206 कि.मी.) आमान परिवर्तन परियोजना शामिल हैं। परियोजना की नवीनतम प्रत्याशित लागत क्रमश: 516 करोड़ रु. और 1471 करोड़ रु. है। दोनों परियोजनाओं से संबंधित निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

अभी तक, सकरी-झंझारपुर (20 किमी) का आमान परिवर्तन, सकरी-निरमली एवं सहरसा-फारबिसगंज (206 कि.मी.) आमान परिवर्तन परियोजना के सहरसा-सरायगढ़-राघोपुर (63 किमी) खंडों और निरमली-सरायगढ़ नई लाइन परियोजना के कोसी पुल सहित सरायगढ़-असनपुर कुप्पा (13 किमी) खंड को पूरा कर लिया गया है और यातायात के लिए खोल दिया गया है। इन परियोजनाओं के शेष खंडों में निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

2014 तक आमान परिवर्तन परियोजनाओं के लिए उपलब्ध कराई गई निधियां पर्याप्त नहीं थी, जिससे परियोजना की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। बहरहाल, 2014-15 से निधियों में वृद्धि की गई और परियोजना को आगे बढ़ाया गया था।

परियोजना का समय से पूरा होना विभिन्न कारकों जैसे क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति में, जलवायु स्थिति को ध्यान में रखते हुए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, बाढ़ जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना के निष्पादन समय को प्रभावित करते हैं। अतः, इस चरण पर परियोजना को पूरा करने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

बिहार राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचनात्मक और संरक्षा कार्यों के लिए औसत बजट आबंटन को 2009-14 के दौरान 1,132 करोड़ रु. प्रतिवर्ष से बढ़ाकर वर्ष 2014-19 के दौरान 3,061 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष किया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक बजट परिव्यय का 170% अधिक है और वित्त वर्ष 2020-21 में इन परियोजनाओं के लिए 4,489 करोड़ रुपए का बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 297% अधिक है। वित्त वर्ष 2021-22 में इन कार्यों के लिए अब तक का सबसे अधिक 5150 करोड़ रुपए का बजट परिव्यय प्रस्तावित किया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक बजट परिव्यय से 355% अधिक है।

2014-19 के दौरान, बिहार राज्य में पूर्ण/आंशिक रूप से पड़ने वाली 695 किमी की लंबाई (240 किमी नई लाइन और 280 किमी आमान परिवर्तन और 175 किमी दोहरीकरण) को यातायात के लिए खोल दिया गया है, जो 2009-14 के दौरान यातायात के लिए खोली गई लम्बाई (318 किमी) से 119% अधिक है। 2019-20 के दौरान, 231 किमी लंबाई (64 किमी नई लाइन, 45 किमी आमान परिवर्तन और 122 किमी दोहरीकरण) को यातायात के लिए खोल दिया गया है, जो 2009-14 के दौरान (63.6 किमी/प्रति वर्ष) यातायात के लिए खोले गए वार्षिक औसत से 263% अधिक है।

****

Sk